Dictation 22.

A tale for a rainy night; part 1.

रजनी - कौन है?
प्रभु - तुम सोई नहीं? सारी दो□हर मज़े किये फिर भी अब तक जाग रही हो।
रजनी - दादाजी, कहानी सुनाइए। तभी मुझे नींद आएगी। गौतम, यहाँ कहानी सुनाई जा रही है।
प्रभु - कमाल है! गौतम भी नहीं सोया?
गौतम - दादाजी, उस बार हाथियों वाली कहानी आधी ही छूट गई थी।
रजनी - नहीं, नई कहानी चाहिए! भूत की सुनाइए।
प्रभु - अच्छा! चलो भूत की कहानी हो जाए। तो एकबार तुम्हारे बूढे दादा ने भूत का नाक तोड़ा था। इसके लिए तो मैं बंगाल में बहुत प्रसिद्ध हूँ।
रजनी - मैं नहीं मानती की भूतों के नाक होते हैं।
गौतम - संभव है, रजनी। सब संभव है। दादाजी आ□ बोलो।
प्रभु - ख़ैर, तब मैं उत्तरी बंगाल के किसी आस्□ताल में □ॉक्टर था। वहाँ जंगल के □ास के गाँवों में रहने वाले लोगों का इलाज किया जाता था। एक बारिश की रात को जब मैं घर के लिए निकलने वाला था, तब एक □तला-सा आदमी मेरे कमरे में आया, और बोला कि उसे नर्स ने रि□ोर्ट करने के लिए कहा था, इसलिए वह अस्□ताल आया है। □रंतु उसे नर्स के स्टेशन □र कोई नहीं मिला। शायद नर्सें घर चली गई हों। मेरे क्लिनिक से उसे दवा दी गई थी, इसीलिए वह मेरे □ास आया था। मैंने अ□ने सामने र□े कागज़ को □ढ़ा। उस □र लि□ा था – □ीसीज़□, यानी जिससे मेरी बात हो रही थी, वह आदमी नहीं, भूत था। लो, गौतम सो गया। बाक़ी कहानी कल सुनाई जाएगी।

***

Rajni - Who is it?
Prabhu - You haven't slept? You had a great time all afternoon (meaning, 'you did not sleep in the afternoon either'), but you are still awake.
Rajni - Grandpa, tell me a story. Only then will I fall asleep. Gautam, a story is being told here.
Prabhu - Amazing! Gautam hasn't slept either?
Gautam - Grandpa, the other time, the story about the elephants was left half-way through.
Rajni - No, I want a new story! ('No, a new story is needed!') Tell us one about [a] ghost.
Prabhu - OK! Let it be a ghost story. So, once your old grandpa broke the nose of a ghost. For this [feat] I am very famous in Bengal.
Rajni - I don't believe that ghosts have noses.
Gautam - It's possible, Rajni. Everything is possible. Grandpa, tell us.

Prabhu - Anyway, at the time I was a doctor in some hospital in north Bengal. Villagers living close to the forest were treated there. On a rainy right, when I was about to leave for home, a thin-looking man came into my room, and said that the nurse had asked him to report [to her]; therefore he had come to the hospital. But he did not meet anyone at the nurses' station. Probably the nurses had gone home. He had been prescribed medication at ('by') my clinic; that is why he had come to me. I read [the piece of] paper placed before me. It read: 'deceased', which meant that [the person] I was talking to wasn't a man, but a ghost. Well, Gautam has fallen asleep. The rest of the story will [have to] be told tomorrow.